दिल्ली -मुंबई एक्सप्रेस-वे पर टक्कर में जयपुर के 6 लोग घायल

■ दादी का फाटक के बिजनेस मैन पुनीत अग्रवाल परिवार सहित हरिद्वार से लौट रहे थे।

अलवर, 21 अप्रैल (निसं)। दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार बिजनेसमैन परिवार के छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिकअप को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ।

बड़ौदामेव थाना प्रभारी मोहन गुर्जर ने बताया कि एक्सीडेंट तड़के साढ़े चार से पांच बजे के बीच में हुआ है। जयपुर के दादी का फाटक निवासी बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल (42) अपनी मां अल्का अग्रवाल (66), पत्नी बबीता अग्रवाल (38) और पुत्र सौम्य (9) और लक्ष्य (11) के साथ हरिद्वार घूमने गए थे। बिजनेसमैन परिवार मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हरिद्वार से जयपुर लौट रहा था। एक्सप्रेस-वे पर अचानक एक पिकअप उनकी अर्टिगा कार के सामने आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। कार चला रहे जयपुर निवासी अमित चौधरी ने कार का संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन कार आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप व ट्रक वाले फरार हो गए।

बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल के बेटे लक्ष्य ने बताया कि उनके पापा को सबसे ज्यादा चोटें आई हैं। पिकअप वाले मौके से भाग गए। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिर उनको अस्पताल पहुंचाया गया। राहगीरों ने घायलों की मदद की। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पूर्व क्रिकेटर व तृणमूल सांसद युसुफ पठान के ससुर व साले मुम्बई में गिरफ्तार हुए

दोनों पर तीन अन्य व्यक्तियों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है

■ घटना भायकला की है, जहां सड़क पर पानी भरा हुआ था वहां से एक कार गुजरी और पानी के छींटे युसुफ पठान के ससुर व साले पर पड़ गए फिर उन्होंने कार में सवार तीन लोगों से मारपीट की।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रेल। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद युसुफ पठान के ससुरालियों को आज मुंबई में एक परिवार के तीन सदस्यों पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पठान के ससुर और साले उनके खिलाफ आरोपी हैं कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों को पीटा, क्योंकि उनकी कार से पानी छिड़क गया था।

घटना मुंबई के भायकला क्षेत्र की है। किसी अन्य युसुफ पठान द्वारा चलाई जा रही कार के गुजरने पर खालिद पठान और शोएब खान, जो पूर्व क्रिकेटर के ससुर और साले हैं- पर सड़क पर जमा कीचड़ के छींटे पड़ गए। इसके बाद पहले तो मौखिक विवाद हुआ और फिर झगड़ा हो गया। पीड़ित पक्ष के सलमान ने बताया "मेरा भाई युसुफ पठान और मैं डिनर से लौट रहे थे, तभी कुछ कीचड़ शोएब नामक व्यक्ति पर छिटक गया।" "हमने कार रोकी और माफी मांगी, लेकिन शोएब ने नहीं सुना और हमारी कार की विंडशील्ड तोड़ दी।"

जब पीड़ित, युसुफ पठान और उनके परिवार के सदस्य पुलिस स्टेशन जाने के लिए बाहर निकले, तो उन पर हमला किया गया।

पीड़ित ने बताया, "जब मेरे पिता और मैं अपने भाई को अस्पताल ले जा रहे थे, आठ से नौ हथियारबंद व्यक्ति सामने आए और हम पर हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने हम तीनों को पीटा।"

खालिद और शोएब पर आरोप है कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से परिवार पर हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने कथित रूप से जान से मारने की धमकियां दीं और फिर मौके से फरार हो गए।

शिकायतकर्ता के भाई सलमान का हाथ टूट गया, जिसे डॉक्टरों के अनुसार ठीक होने में एक साल लग सकता है। पीड़ितों को जेजे अस्पताल में चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतीत होता है कि विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की परीक्षा हैं। दूसरी ओर, भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे किसी भी अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और प्रधानमंत्री के पक्ष में खड़े होने के लिए तैयार रहते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल यह आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों को डराने के लिए केन्द्रीय जाँच एजेंसियों (ईडीसीबीआई आदि) का डर पैदा कर रहे हैं। फिर भी, भाजपा का शोर और तेज़ हो गया, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता यह मान रहे हैं कि खड़गे और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने "मोदी को आतंकवादी कहकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया।"

चेन्नई में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए प्रचार करते समय, खड़गे ने कथित रूप से मोदी को "आतंकवादी" बताया और कहा कि भाजपा समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। उन्होंने पूछा, "वे (एआईडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमज़ोर कर रहे हैं।" बाद में खड़गे ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह था कि मोदी अन्य राजनीतिक दलों को केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के इस्तेमाल के डर से आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा तिल का ताड़ बना रही है।

केरल में पटाखा युनिट में विस्फोट, 13 की मौत

त्रिशूर के विख्यात उत्सव की तैयारी के लिए युनिट में बड़े पैमाने पर पटाखे बन रहे थे

■ धमाका बहुत शक्तिशाली था कई किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और फिर कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

त्रिशूर, 21 अप्रैल। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी में जुटी इस पटाखा फैक्टरी में हादसे के समय करीब 40 मजदूर मौजूद थे। विस्फोट के बाद कई मजदूर आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों और घने धुएं ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे, जिससे बचाव दलों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मौके पर पहुंचे एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि वहां लगभग 40 मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम किया गया था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हादसे के वक्त वहां इतने लोग मौजूद रहे होंगे।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक विस्फोट एक अस्थायी शेड में हुआ, जहां पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। हालांकि, विस्फोट के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई जा रही है।

'सीजेआई सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग लिया, जिनमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एम.एम. सुंदरेश ने इस भूमिका में आने वाली चुनौतियों और कड़ी मेहनत के बारे में बात की। न्यायाधीश सुंदरेश ने तमिल में कहा कि इतने विशाल देश का मुख्य न्यायाधीश होना आसान काम नहीं है। उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत की दिनचर्या को उजागर करते हुए बताया कि वे प्रतिदिन 17-18 घंटे काम करते हैं, रात को लगभग 3 बजे सोते हैं और फिर सुबह 7 बजे उठ जाते हैं। "बार एंड बैंच" की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने भारत की न्यायिक प्रणाली में निचली अदालतों की केन्द्रीय भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जबकि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय कानून को आकार देते हैं, जिला अदालतें इसे लोगों के दैनिक जीवन में वास्तविक अर्थ देती हैं। अधिकांश नागरिकों के लिए जिला अदालतें न्याय तक पहुँचने का पहला और अक्सर एकमात्र साधन होती हैं, जिससे ये न्याय वितरण प्रणाली की रीढ़ बनती हैं।

'महिला की "आउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद मतदाता सूची से बाहर कर दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फ़रासत (याचिकाकर्ता की ओर से) की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

जुडिशियल ऑफिसर द्वारा 27 मार्च को याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज करने के आदेश पर आपत्ति जताते हुए, वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पास पासपोर्ट है, वह 2002 की मतदाता सूची का हिस्सा रही है और तब से लगातार मतदान कर रही है। फ़रासत ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता केवल सीमित राहत की मांग कर रही हैं, यानी विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई की, क्योंकि सूची 27 अप्रैल को बंद हो जाएगी। जब सीजेआई ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता ने न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, तो याचिकाकर्ता ने उत्तर दिया, "हाँ, मैंने 3 अप्रैल को आवेदन किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश सुनवाई नहीं हुई। मैं केवल यह अधिकार (आउट-ऑफ-टर्न सुनवाई) चाहती हूँ और मैं आगे न्यायालय में आगे बढ़ूँगी।"

प्र.मंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कांग्रेस ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर नोटिस भेजा

■ वेणुगोपाल ने कहा संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसद में किसी सांसद के भाषण या मतदान पर संसद के बाहर टिप्पणी करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों पर टिप्पणी की और उनके मतदान पैटर्न पर सवाल उठाए।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उनके मतदान व्यवहार पर न केवल सवाल उठाए, बल्कि उनके इरादों पर भी संदेह जताया। यह कार्य संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण शक्ति का दुरुपयोग है और यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री का यह संबोधन महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के लोकसभा में पास नहीं होने के एक दिन बाद किया गया था।

वेणुगोपाल ने कहा कि 16 एवं 17 अप्रैल को विपक्षी दलों के सभी सांसदों ने महिला आरक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि 131वें संशोधन विधेयक के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 82 में बदलाव कर परिसीमन से जुड़ी संवैधानिक सुरक्षा को हटाने की कोशिश की। विपक्ष का विरोध इसी कारण था, जबकि महिला आरक्षण के प्रति उनका समर्थन स्पष्ट और एकमत था। वेणुगोपाल ने कहा कि संसद की परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के भाषण या मतदान पर किसी व्यक्ति, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ऐसा करना संसद की गरिमा को कमजोर करता है और सांसदों के स्वतंत्र कर्तव्यों में हस्तक्षेप करता है।

सीवर में सफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके कारणों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सुरक्षा मानकों की पुन: समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने सी.डी.यू. (क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट) में लगी आग को तत्परता से काबू में करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पाना बड़ी राहत की बात है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (एचपीसीएल) के अधिकारियों द्वारा दी गई प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग से हुआ नुकसान सीमित क्षेत्र तक ही रहा है और स्थिति अब नियंत्रण में है। अधिकारियों ने बताया कि रिफाइनरी के अन्य हिस्से सुरक्षित हैं और जल्द ही सामान्य संचालन बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी परियोजना के शीघ्र पुन: संचालन के लिए एचपीसीएल को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए बेहद अहम है, इसलिए इसकी गति को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 14 अक्टूबर, 2023 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि दोपहर के समय उसकी पत्नी सोकर उठी तो कमरे में पन्द्रह वर्षीय पुत्री नहीं थी। जब उसकी तलाश करते हुए, वह छत पर गई तो वहां अभियुक्त उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर रहा था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना के दिन ही अभियुक्त को गिरफ्तार किया और बाद में अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अभियोजन पक्ष की कहानी दोहराते हुए कहा कि अभियुक्त ने उसके साथ पहले भी दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर उसने पीड़िता को डरा धमकाकर चुप करा दिया था। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया।

ईरान युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हैं। इस प्रकार, स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि अमेरिका ने दो ईरानी जहाज जब्त कर लिए हैं, एक ओमान की खाड़ी में और दूसरा हिन्द महासागर में।

ट्रम्प ने औपचारिक इंटरव्यू में कहा कि चीन युद्ध सामग्री ईरान भेज रहा प्रतीत होता है। उन्होंने चीन को लेकर अपनी अप्रसन्नता और निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हें लगता था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके बीच ईरान को युद्ध सामग्री की आपूर्ति को लेकर ठीक-ठाक समझबूझ है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन ईरान को उन्नत गोला-बारूद और वायु रक्षा प्रणालियाँ भेज रहा था। ट्रम्प ने आगे चेतावनी दी कि यदि चीन ने ऐसा किया तो उसे बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पहले चेतावनी दी थी कि यदि चीन ईरान को किसी आपूर्ति में शामिल हुआ तो उस पर 50 शुल्क लगाया जा सकता है।

ईरान ने वार्ता शुरू होने से पहले अपने जहाजों की तत्काल रिहाई की मांग की है। दूसरी ओर, अमेरिका वार्ता शुरू होने से पहले ईरानी मांगों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। दोनों देशों के बीच यह ज़ुबानी लड़ाई इस तथ्य के संदर्भ में हो रही है कि ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी युद्धविराम बुधवार तक समाप्त होने वाला है।

दोनों पक्ष वार्ता से पहले अपनी शक्ति दिखा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरानी पावर प्रोजेक्ट, पुल और अन्य बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी फिर से शुरू करने की गंभीर धमकियां दे रहे हैं और ईरानी सैन्य प्रवक्ताओं ने फिर से युद्ध के लिए तैयार होने का संकेत दिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध एक बार शुरू हो जाने पर मुश्किल से नियंत्रित किया जा सकेगा और यह दिशाहीन भी हो सकता है।

हाईकोर्ट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस फैसले के बाद हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपए की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए गत 16 अप्रैल को मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों और ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची जे.सी.बी. मशीनों पर पथराव किया था। भारी पुलिस जाब्ता था इससे आवासन मंडल की टीम ने जमीन के कुछ हिस्से पर बनी हुई बाउंड्री वॉल, कोठरियां और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया था। परंतु मौके पर स्थानीय लोगों के बढ़ते विरोध और पथराव के बाद हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी।

इस घटनाक्रम के बाद 17 अप्रैल को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन ने इस प्रकरण की सुनवाई 20 अप्रैल तक टाल दी थी। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आश्वस्त किया था कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ में इस प्रकरण की सुनवाई नहीं होती, तब तक मौके पर पज़ेशन लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को ही स्थगित कर दिया है, जिसमें जयपुर में बी-टू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"हमने अभी तक घबराने का बटन नहीं दबाया है। अब अभियान के अंतिम 10 दिन हैं। हम इसे अपने अभियान पर असर डालने नहीं देंगे।"

एक अन्य स्रोत ने कहा कि आई-पैक को पार्टी की जीवनरेखा कहना अतिशयोक्ति है, और यह नोट किया कि कुछ कमी है, लेकिन वैकल्पिक सिस्टम अब सक्रिय हैं।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि कई आई-पैक पेशेवर अब भी उनके साथ काम कर रहे हैं, और अधिकांश घर या दूरस्थ स्थानों से अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

आई-पैक के हालिया कार्य का केन्द्र विनीश चंदेल, प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह सहित एक मुख्य नेतृत्व समूह रहा है। चंदेल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य को ईडी द्वारा समन भेजे गए हैं। इनमें प्रतीक जैन तृणमूल के अभियान तंत्र में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अपनी तीक्ष्ण डेटा अंतर्दृष्टि और मतदाता भावना की गहन समझ के लिए आंतरिक रूप से जाने जाने वाले जैन, अभिषेक बनर्जी के उदय के इर्द-गिर्द रणनीति बनाने में गहराई से शामिल रहे हैं।

उन्होंने "नबो जोवार" अभियान जैसे आउटरीच प्रयासों के डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राज्यव्यापी यात्रा के इर्द-गिर्द बनाई गई थी और बनर्जी को जमीनी कनेक्ट वाला नेता दिखाती थी। जैन 2023 पंचायत चुनावों और 2024 लोकसभा चुनावों के रणनीति का भी केन्द्र बिंदु रहे, जहाँ तृणमूल ने अपनी संख्या बढ़ाई, जिससे उनकी पार्टी के वॉर रूम में प्रभावशीलता मजबूत हुई।

वर्ष 2024 में तृणमूल ने भाजपा से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने समझा कि 2018 के पंचायत चुनावों में हुई हिंसा ने 2019 में 18 सीटें जीतने में मदद की थी। प्रतीक जैन ने पार्टी की रणनीति को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस बीच, द्रमुक के लिए ऋषिराज सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आई-पैक और पार्टी नेतृत्व के बीच मुख्य इंटरफेस के रूप में काम किया। सूत्रों के अनुसार, उनकी निर्णयकर्ताओं तक सीधे पहुँच थी, विशेष रूप से मुख्यमंत्री तक, और वे तमिलनाडु में अभियान रणनीति को समन्वित करने में गहराई से शामिल थे, यह सुनिश्चित करते हुए कि कंसल्टेंसी की इनपुट और द्रमुक की आंतरिक मशीनरी में तालमेल बना रहे।

उनकी भूमिका विशेष रूप से डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि को जमीनी राजनीतिक संदेश और अभियान की प्रभावशीलता की माप के साथ एकीकृत करने में महत्वपूर्ण हो गई। तमिलनाडु में, द्रमुक पार्टी शो टाइम कंसल्टिंग के रॉबिन शर्मा के साथ भी काम कर रही है, जिन्होंने पहले एकनाथ शिंदे और चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के अभियान संभाले हैं।

पश्चिम बंगाल में छापों को लेकर राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट रहा है। तृणमूल के एक सूत्र ने कहा, "यहाँ काम करने वाले अधिकांश युवा बांग्ला हैं... यह भाजपा के लिए ही उल्टा पड़ने वाला है।" वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने यह भी रेखांकित किया कि पार्टी आई-पैक से जुड़े युवा पेशेवरों के प्रति सजग है और उनके करियर को किसी भी जोखिम में नहीं डालने देगी।

तमिलनाडु में, द्रमुक ने इसी तरह की सावधानी बरती है। जबकि आई-पैक अभी भी शामिल है, पार्टी की आंतरिक इकाई, जिसे अक्सर पीईएन कहा जाता है और जो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दामाद सबरीसन द्वारा देखी जाती है, ने हाल के महीनों में अधिक भूमिका निभाई है। एक द्रमुक सूत्र ने कहा, आई-पैक और पीईएन अभियान संबंधी कार्यों में बहुत निकटता से काम करते हैं।"

अभी के लिए, दोनों पार्टियां सावधानीपूर्वक चल रही हैं। जमीनी स्तर पर अभियान गतिविधि स्थिर बनी हुई है, भले ही छापों के बाद आई-पैक का शीर्ष नेतृत्व के साथ जुड़ाव कम दिखाई दे। रणनीति स्पष्ट है, जोखिम को कम करना, आंतरिक क्षमता को अधिकतम करना, और चुनावी इंजन को चालू रखना। सामान्य रूप से यह अस्थिरता लग सकती है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह सामान्य व्यवसाय जैसा ही है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908